Dated : 25-06-2018

PRESS RELEASE

Public-Private-Cooperative Partnership need of the Hour : Venkaiah Naidu

Speaking on the occasion of 19th Vaikunth Bhai Mehta Memorial Lecture organized by National Cooperative Union of India in Delhi today, M. Venkaiah Naidu, Vice President of India called for forging public-private-cooperative partnership as a viable model of development. He further said that transparency and accountability are the key factors important for professional working of cooperatives. National Cooperative Union of India (NCUI) is an apex organization of the cooperative movement involved primarily in cooperative education and training. NCUI organizes Vaikunth Bhai Memorial Lecture regularly in memory of Late Vaikunth Bhai Mehta, a towering cooperative leader who made significant contribution in the field of cooperative education and training.

Naidu also said that considering significance of cooperatives, it should be included as a subject in school educational curriculum. “There should be a chapter on cooperatives in the school syllabus”, he clearly pointed out.

Naidu further emphasized that if the cooperative movement is strong, then it can strengthen agriculture. He laid stress on the need for forming cooperatives so that the farmers can get fair price of the produce, the best example here being that of AMUL. He further said that many DCCBs are in red because of mismanagement, not due to any systematic failure. “Cooperation is better if operation is good”, he elaborated. He concluded that the best tribute to Late Vaikunth Bhai Mehta would be to follow the principles and values he stood for more particularly his character, commitment and conduct.

Gajendra Singh Shekhawat, Union Minister of State for Agriculture and Farmers Welfare present on the occasion said in the case of increasing fragmentation of land, declining productivity, depletion of resources, capacity building of farmers, the cooperatives need to come up. He said that among the institutions which have played important role in nation building, the role of cooperatives is very important.

Dr. Chandra Pal Singh Yadav, M.P. (Rajya Sabha) and President, NCUI speaking on the occasion said that like White Revolution, cooperatives have played important role in ushering Green Revolution. He further said that as youth are unemployed if they are associated with cooperatives then they create self-employment opportunities. He also emphasized on the need for increasing participation of women in cooperatives.

N. Satya Narayana, Chief Executive, NCUI earlier presented a brief profile of Late Vaikunth Bhai Mehta. Dr. Bijender Singh, Vice President, NCUI and Chairman, NCCF at the end of the programme proposed vote of thanks in the end. The meeting was attended by Chairmen/MDs of national level, state level cooperative organizations, employees of cooperative organizations, representation from SEWA, Sahakar Bharti, etc.

For favour of Publication in the Newspaper

(Sanjay Verma)
Dy. Director (PR/Pub.), NCUI
Mob. : 9871146034

iszl foKfIr

lkoZtfud&futh&lgdkjh lg;ksx fodkl dk ,d l'kDr ekWMy % uk;Mq

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ द्वारा आयोजित 19वें वैकुठ भाई स्मृति व्याख्यान समारोह में बोलते हुए आज भारत के उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडु ने कहा कि सार्वजनिक–निजी–सहकारी सहयोग विकास का एक सशक्त मॉडल हो सकता है। उन्होंने आगे कहा कि सहकारिताओं को पारदर्शिता और उत्तरदायित्व अपने काम–काज में दिखाना होगा ताकि वे व्यवसायी संस्थाओं की तरह उभर कर सामने आयें। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ सहकारी आंदोलन की शीर्ष संस्था है जिसका मुख्य कार्य शिक्षण और प्रशिक्षण का है। संघ वैकुठ भाई मेहता स्मृति व्याख्यान का आयोजन नियमित अंतराल पर करता है। वैकुंठ भाई मेहता सहकारी क्षेत्र के अग्रणी नेता रहे हैं जिनका सहकारी शिक्षण और प्रशिक्षण में अग्रणी योगदान रहा है और जिन्होंने सहकारी आंदोलन को सशक्त करने के लिये कई महत्वपूर्ण कदम उठाये।

स्हकारिताओं की महत्ता पर बल देते हुए नायडु ने कहा कि स्कूली पाठ्यक्रमों में सहकारिताओं के लिये एक अलग अध्याय होना चाहिए ताकि सहकारिताओं के साथ युवा वर्ग जुड़े। नायडु ने आगे कहा कि यदि सहकारिता आंदोलन मजबूत होगी, तब हमारी कृषि को भी मजबूती प्रदान होगी। उन्होंने किसानों को उनके उपज के सही दाम दिलाने के लिए सहकारी समितियों के गठन पर बल दिया, इसमें अमूल का योगदान सराहनीय रहा है। कई जिला सहकारी बैंकों में कुप्रबंधन की बात करते हुए उन्होंने कहा कि सहकारिताओं को अपने प्रबंधन को मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि वैकुठ भाई मेहता को सही श्रद्धांजलि तभी होगी जब सहकारी आंदोलन उनके बताये गये रास्ते पर चलकर और उनके सिद्धांतों और मूल्यों का पालन करें।

गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि भूमि विखडन, उत्पादकता में गिरावट, किसानों को सही प्रशिक्षण आदि क्षेत्रों में सहकारिताओं को तेजी से आगे आना चाहिये। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में जिन संस्थाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, उसमें सहकारिताओं की भूमिका सर्वोपरि है।

डा. चन्द्रपाल सिंह यादय, सांसद (राज्य सभा), और अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ ने इस अवसर पर कहा कि श्वेत क्रांति की तरह हरित क्रांति में भी सहकारिताओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने आगे कहा कि यदि युवा वर्ग की सहकारिताओं के साथ जोड़ा जाये तो स्वरोजगार के कई अवसर उभर कर सामने आ सकते हैं। उन्होंने सहकारिताओं में महिलाओं की सहभागिता पर भी काफी बल दिया।

एन. सत्यनारायण, मुख्य कार्यकारी, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ ने इस अवसर पर वैकुठ भाई मेहता की जीवनी और उनके योगदान के बारे में दो शब्द कहे। डॉ. बिजेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

समाचार पत्रों में प्रकाशनार्थ।

(संजय कुमार वर्मा)
उप निदेशक (जनसम्पर्क)
मो. 9871146034

19वाँ वैकुण्ठ भाई मेहता स्मृति व्याख्यानमाला
Vaikunth Bhai Mehta Memorial Lecture

19वाँ वैकुण्ठ भाई मेहता स्मृति व्याख्यानमाला
Vaikunth Bhai Mehta Memorial Lecture
coop
Shri. M. Venkaiah Naidu
Hon'ble Vice President of India
25 जन 2018
Organised by:
भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ
NATIONAL COOPERATIVE UNION OF INDIA

19वाँ वैकुण्ठ भाई मेहता स्मृति व्याख्यानमाला
Vaikunth Bhai Mehta Memorial Lecture
coop
Shri. M. Venkaiah Naidu
Hon'ble Vice President of India
25 जन 2018
Organised by:

Shri. M. Venkaiah Naidu
Hon'ble Vice President of India
25 June 2018